वट वृक्षा –4

उत्तर पुस्तिका

Harbour Press®
INTERNATIONAL

1 काँटों में राह बनाते हैं

(अभ्यास-उत्तर)

Page-8 (मौखिक)

(क) विपत्ति कायर को दहलाती है।

(ख) बहादुर लोग संकट के समय विचलित नहीं होते हैं।

(ग) जब आदमी ताल ठोंककर ज़ोर लगाता है, तब पर्वत के भी पाँव उखड़ जाते है।

Page-8-9 (लेखनी)

1. (क) आदमी के मार्ग में विघ्न नहीं ठहर सकते।

(ख) मानव के ज़ोर लगाने पर पत्थर भी पानी बन जाता है।

(ग) मानव के अंदर एक से एक प्रखर गुण छिपे हुए हैं।

(घ) कवि ने सूरमा की पहचान यह बताई है कि वे संकटों से घबराते नहीं हैं।

Page-9

2. (क) प्रसंग–

प्रस्तुत कविता 'काँटों में राह बनाते हैं' रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित है। वह इस कविता के माध्यम से मानव में आत्मविश्वास जगाते हैं।

सरलार्थ–

प्रस्तुत काव्यांश में यह बताया गया है कि जिस प्रकार दीपक की बाती के अंदर प्रकाश छिपा होता है, मेहँदी में लाली होती है, वैसे ही मनुष्य के अंदर एक से बढ़कर एक तीव्र गुण छिपे होते हैं। दीपशिखा हर जगह उजाला फैलाती है।

(ख) प्रसंग–

प्रस्तुत कविता 'काँटों में राह बनाते हैं' रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित है। इस कविता में 'दिनकर' ने व्यक्ति को उसके अदम्य साहस और शक्ति से परिचित कराया है।

सरलार्थ–

कविता में बताया गया है जब-जब विपत्ति आती है तो वह कायर को ही दहलाती है। बहादुर लोग कभी भी मुसीबत आने पर विचलित नहीं होते। वे पलभर के लिए भी अपना धीरज नहीं खोते। वे विपत्ति पड़ने पर भी अपनी राह खुद बना लेते हैं।

3. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-9-10

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) व्यवहार व्यर्थ

(ख) अन्य धन्य

(ग) अच्छा गुच्छा

(घ) गद्य पद्य

Page-10

2. (क) सड़क पर मत भागो।

(ख) दीवार पर मत थूको।
(ग) कृपा करके पानी पी लीजिए।
(घ) वह बाज़ार गया।

3. (क) झूठ (ख) वीर
(ग) पाना (घ) अवगुण

(ङ) दानव (च) अँधेरा

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

2 पेड़ का घमंड

(अभ्यास-उत्तर)

Page-14 (मौखिक)

(क) पेड़ का तना मोटा था।
(ख) पेड़ घमंड की वज़ह से पक्षियों से सीधे मुँह बात नहीं करता था।
(ग) पेड़ को तस्कर काटने लगा था।
(घ) पेड़ अपना तना कटता देखकर घबरा गया।

(लेखनी)

1. (क) दिन-रात पानी बरसने से जंगल में बाढ़ आ गई।
(ख) सभी जानवर अपनी जान बचाने के लिए पेड़ की शरण लेते थे और तीन-चार दिन तक ऐसा ही हुआ और इसी वज़ह से पेड़ को घमंड हो गया।
(ग) आग बुझाने के लिए टिंकू हाथी ने अपनी सूँड़ में पानी भरा और आग पर डालना शुरू कर दिया जिससे आग बुझ गई।
(घ) बंदरों ने पेड़ से कच्चे आम तोड़े और तस्करों पर निशाना लगाकर मारना शुरू कर दिया। इस आक्रमण से वे घबरा गए और भाग गए।

Page-15

2. (क) अ (ख) स
(ग) अ

3. (क) एक बार जंगल और आसपास बड़े ज़ोर की बारिश हुई।
(ख) पेड़ को घमंड हो गया।
(ग) जानवरों ने विनती की पर पेड़ ने उनकी एक न सुनी।
(घ) टिंकू हाथी ने पेड़ को समझाया, तो उसने ठहाका लगाया।
(ङ) यदि टिंकू आग को न रोकता, तो वह जलकर भस्म हो जाता।

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

1. हमें बुरी आदतों से बचना चाहिए।
2. हमें कभी किसी वस्तु या चीज़ का लालच नहीं करना चाहिए।
3. हमें किसी बात का घमंड नहीं करना चाहिए।

Page-16

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) दधि (ख) कर्म
(ग) पहला (घ) सत्य
(ङ) गाँव (च) सूरज

2. (क) रेलगाड़ी (ख) स्नानघर
(ग) मेघदूत (घ) विद्‌यालय

3. (क) सभी जानवरों को अपना घर प्यारा होता है।
(ख) राम अपनी कक्षा में प्रथम आया।
(ग) हमें अवसर मिलने पर सभी की मदद करनी चाहिए।
(घ) सभी किसान अपना काम बड़ी ईमानदारी से करते हैं।

(मन की बात)

- पूरा जंगल जलकर खत्म हो जाता।
- जंगल खत्म हो जाने पर हमें पेड़ों से स्वच्छ वायु नहीं मिल पाती, जिससे हमें साँस लेने में भी कठिनाई होती।
- पेड़ न होने से पर्यावरण भी प्रदूषित होता।

Page-17

(हँसते-गाते)

एक जंगल में एक विशाल पेड़ था। उसका तना बहुत मोटा और मज़बूत था। पेड़ की अनगिनत छोटी-बड़ी शाखाएँ थीं, जिन पर बहुत से पक्षी और जानवर रहते थे। एक दिन जंगल में लकड़ी काटने वाले तस्कर आए। वे अपने साथ बड़े-बड़े आरे लेकर आए थे। पेड़ चाहकर भी तस्करों का कुछ नहीं बिगाड़ सकता था। सभी जानवरों ने घमंडी पेड़ की मदद की। बंदरों ने पेड़ से कच्चे आम तोड़े और तस्करों पर निशाना लगाकर मारना शुरू कर दिया। इस आक्रमण से वे घबराकर भाग गए। पेड़ को अपनी गलती का अहसास हुआ। सभी जानवर प्रेमपूर्वक रहने लगे।

3 पक्षी-विहार

(अभ्यास-उत्तर)

Page-23 (मौखिक)

(क) गरिमा जंगल में जाने से डर रही थी।
(ख) साइबेरिया से प्रति वर्ष साइबेरियन क्रेन (सारस) पक्षी आते हैं।
(ग) लोग अपने स्वार्थ के लिए पेड़ों को काट रहे हैं।
(घ) क्योंकि लोग अपने स्वार्थ के लिए पेड़ों को अंधाधुंध काट रहे हैं।

Page-23 -24 (लेखनी)

1. (क) पक्षी-विहार का वातावरण सुखद होता है।
(ख) साइबेरियन क्रेन की गरदन अन्य पक्षियों से लंबी होती है।
(ग) पक्षियों की आदतों, स्वभाव और आवागमन का अध्ययन किया जाता है।
(घ) वृक्षारोपण से वातावरण शुद्‌ध होता है इसलिए वृक्षारोपण ज़रूरी है।
(ङ) वृक्ष हमारे लिए इसलिए उपयोगी हैं क्योंकि जब हम अपनी साँस से कार्बन-डाइऑक्साइड छोड़ते हैं, उसे वृक्ष ग्रहण करते हैं और उसके बदले में हमें ऑक्सीजन देते हैं। इस प्रकार ये प्रकृति में वायु का संतुलन बनाए रखते हैं।

Page-24

2. (क) ब (ख) ब
(ग) अ

3. (क) ✓ (ख) ✓

(ग) ✗ (घ) ✓

(ङ) ✓

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-25

(जीवन-मूल्य)

- पोस्टर के द्वारा
- गलियों में नारे लगाकर
- अखबार में विज्ञापन देकर
- पेड़ों के फ़ायदे बताकर

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) दुखद (ख) कम
   (ग) छोटी (घ) प्रतिकूल
   (ङ) अपर्याप्त (च) अशुभ
2. (क) मंद (ख) हँसी
   (ग) चाँदी (घ) अँगीठी
   (ङ) काँच (च) अंगूर
   (छ) बंदूक (ज) खाँसी
   (झ) सितंबर (ञ) आँगन
3. (क) गद्‌य (ख) गड्ढा
   (ग) संख्या (घ) विद्वान
   (ङ) क्यारी (च) अध्यापक
   (छ) विद्‌यालय (ज) परिपक्व
   (झ) द्‌वारा (ञ) शक्ति

Page-25 -26

4. (क) माता (ख) बुढ़िया
   (ग) बलवान (घ) नौकरानी
   (ङ) सेविका (च) श्रीमती
   (छ) सुनारिन (ज) भाई
   (झ) सेठ (ञ) शेरनी

Page-26

5. (क) ऑक्सीजन (ख) डॉक्टर
   (ग) ऑस्ट्रेलिया (घ) ऑफ़िसर
   (ङ) बॉल
6. लड़का चित्र बनाता है।
   मैं काम करता हूँ।

(मन की बात)

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

(हँसते गाते)

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

4 जल की उपयोगिता

(अभ्यास-उत्तर)

Page-30 (मौखिक)

(क) अध्यापिका ने बच्चों को जल की उपयोगिता के बारे में बताया।

(ख) हम लोग नदियों, तालाबों और कुओं से पानी प्राप्त करते हैं।

(ग) कारखानों का दूषित पानी डालने से पेड़-पौधे नष्ट हो जाते हैं।

(लेखनी)

1. (क) अध्यापक-कक्ष से निकलकर अध्यापिका ने देखा कि कुछ नलों से पानी टपक रहा है।
   (ख) कक्षा में जाने से पहले अध्यापिका ने नलों को ठीक से बंद किया।

(ग) नहीं! कोल्ड ड्रिंक पीने से हमारी प्यास अच्छी तरह नहीं बुझती।

(घ) हमें कभी भी नल खुला नहीं छोड़ना चाहिए और आवश्यकता के अनुसार ही पानी का प्रयोग करना चाहिए।

2. (क) ब (ख) अ

(ग) स

Page-31

3. (क) प्यास (ख) जनसंख्या

(ग) बहुमूल्य (घ) ज़रूरत

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) चिड़ियाँ (ख) भाषाएँ

(ग) ऋतुएँ (घ) मालाएँ

(ङ) कपड़े (च) भैंसें

2. **व्यक्तिवाचक** –

कोलकाता, संजय, लंदन, कुरान, ब्रह्मा, कन्याकुमारी

जातिवाचक –

कक्षा, नगर, देवता, चिड़िया, चाय, शेर, फूल

भाववाचक – मिलावट, प्रेम, विनम्रता, प्रशंसा, बिक्री

Page-32

3. (क) वे (ख) आप

(ग) वह (घ) यह, मेरी

(ङ) तुम, क्या (च) मैं

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

5 एक बूँद

(अभ्यास-उत्तर)

Page-34 (मौखिक)

(क) बूँद बादलों की गोद से निकली।

(ख) बूँद अपने आप से बात कर रही है।

(ग) 'एक बूँद' कविता के रचयिता का नाम अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' है।

(घ) बूँद ने सीप में जाकर मोती का रूप धारण कर लिया।

Page-34-35 (लेखनी)

1. (क) बादलों से निकलने के बाद बूँद के मन में यह विचार उठा कि वह घर छोड़कर क्यों निकली।

(ख) बूँद भगवान से अपना भाग्य जानना चाहती है।

(ग) बूँद सीप के मुँह जाकर मोती बनी।

(घ) जब किसी मनुष्य को घर छोड़ना

पड़ता है तब वह झिझकता है कि वह सही मंजिल तक पहुँच पाएगा या नहीं।

Page-35

2. (क) सोचने फिर-फिर यही जी में लगी, आह! क्यों घर छोड़कर मैं यों बढ़ी।

(ख) मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में? या जलूँगी गिर अंगारे पर किसी चू पड़ूँगी या कमल के फूल में।

(ग) एक सुंदर सीप का मुँह था खुला, वह उसी में जा पड़ी, मोती बनी।

(घ) लोग यूँ ही हैं झिझकते, सोचते, जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर।

3. (क) ब (ख) अ

(ग) स (घ) स

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-36

(जीवन-मूल्य)

बूँद-बूँद से घड़ा भरता है, यह एक मुहावरा है। इसका अर्थ होता है– थोड़ा-थोड़ा जमा कर अधिक संचय करना।

दोस्तो! आप सभी यह जानते हैं कि आज के समय में हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देश को स्वच्छ करने के लिए कई अभियान चला रहे हैं, ताकि हमारा देश स्वच्छ और सुंदर हो जाए। इसके लिए उन्होंने बहुत लोगों को प्रेरित भी किया है। उनकी इस कोशिश में भारत देश के कई क्षेत्रों के लोग उनका सहयोग भी कर रहे हैं और उनके सहयोग से देश की स्वच्छता में काफ़ी सुधार भी आया है।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) मेघ (ख) आकाश

(ग) पुष्प (घ) पवन

(ङ) भवन (च) पंकज

(छ) किस्मत (ज) सागर

2. (क) सफ़ेद (ख) नीला

(ग) ईश्वरीय (घ) ठंडी

(ङ) सुंदर (च) छोटा

3. (क) मेरी परीक्षा समाप्त हो गई है।

(ख) मेरी चाय में कुछ गिर गया है।

(ग) गाजर काटकर खरगोश को खिलाओ।

(घ) मुझे खाना नहीं खाना।

Page-37

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

6 यक्ष-युधिष्ठिर संवाद

(अभ्यास-उत्तर)

Page-43 (मौखिक)

(क) पांडवों के वनवास के बारह वर्ष समाप्त होने वाले थे।

(ख) नकुल पानी ढूँढ़ते-ढूँढ़ते सरोवर के पास पहुँचा।

(ग) युधिष्ठिर ने सोचा, 'अवश्य ही मेरे चारों भाई किसी घोर मुसीबत

में पड़ गए हैं, चलकर पता करना चाहिए कि आखिर बात क्या है'?

(घ) पांडवों में बड़े भाई का नाम युधिष्ठिर था।

(लेखनी)

1. (क) यक्ष की चेतावनी थी कि यह सरोवर मेरा है। पानी पीने से पहले मेरे प्रश्नों के उत्तर देने आवश्यक हैं।

   (ख) वह प्राणी जो कामनाओं पर नियंत्रण रखें वही धनी है।

   (ग) प्रतिदिन जीवों को मरते देखते हैं, परंतु शेष जीव सदा जीवित रहना चाहते हैं। यही सबसे बड़ा आश्चर्य है।

   (घ) युधिष्ठिर ने नकुल को जीवित करने के लिए कहा क्योंकि वह सौतेली माता को पुत्रहीन नहीं करना चाहता था।

Page-44

2. (क) यक्ष ने नकुल से

   (ख) युधिष्ठिर ने सहदेव से

   (ग) युधिष्ठिर ने यक्ष से

3. (क) पांडव (ख) मन

   (ग) सत्कर्मों (घ) क्रोध

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

हम भी युधिष्ठिर की जगह होते तो यक्ष के प्रश्नों के उत्तर देते।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) <u>अहिंसा</u> मानव का सबसे बड़ा धर्म है।

   (ख) <u>सदाचार</u> ही मनुष्य को उच्च व्यक्ति बनाता है।

   (ग) अंत में युधिष्ठिर <u>तालाब</u> के पास पहुँचे।

   (घ) हमारी शपथों का यही <u>परिणाम</u> होना था।

Page-45

2. **सत्** – सत्कर्म, सद्बुद्धि, सदिच्छा, सदानंद

   अ – अहिंसा, अधर्म, अकाल, अन्याय

3. (क) अविश्वास (ख) अनुपस्थित

   (ग) आसान (घ) अंदर

   (ङ) सच्चा (च) पास

(मन की बात)

1. (क) सदाचार का अर्थ है– उत्तम आचरण।

   (ख) सदाचार दो शब्दों से मिलकर बना है– सत् + आचार

   (ग) सदाचार शब्द में सत्य आचरण की ओर संकेत किया गया है। ऐसा आचरण जिसमें सब सत्य हो और तनिक भी असत्य न हो।

   (घ) जिस व्यक्ति में सदाचार होता है उसे संसार में सम्मान मिलता है।

   (ङ) सदाचार एक ऐसा अनमोल हीरा है जिसकी कीमत नहीं आँकी जा सकती है। बड़े-बड़े विद्वान जैसे– स्वामी दयानंद सरस्वती, रवींद्रनाथ टैगोर आदि के पास कोई धन-दौलत तो नहीं थी किंतु वे बादशाह थे।

Page-46

2. जीवन में सभी प्राणियों को मृत्यु निश्चित

है। अत: इस तथ्य को ध्यान में रखकर हमें अपने विवेक का प्रयोग करके कार्य करने चाहिए। इसके लिए तालिका बनाएँ कि उन्हें–

क्या करना चाहिए

- सबकी मदद करनी चाहिए।
- दूसरे के दुख को दूर करना चाहिए।
- हमेशा मीठी वाणी बोलनी चाहिए।
- सभी का आदर करना चाहिए।
- सत्कर्म करने चाहिए।

क्या नहीं करना चाहिए

- किसी की मदद करने से मना नहीं करना चाहिए।
- दूसरों को दुख नहीं देना चाहिए।
- कटु शब्द नहीं बोलने चाहिए।
- किसी का निरादर नहीं करना चाहिए।
- बुरे कर्म नहीं करने चाहिए।

7 बीरबल की तीरंदाज़ी

(अभ्यास-उत्तर)

Page-49 (मौखिक)

(क) अकबर का दरबार सजा हुआ था।

(ख) प्रस्तुत कहानी बीरबल की तीरंदाज़ी पर आधारित है।

(ग) अकबर और बीरबल मैदान मै जा पहुँचे।

(लेखनी)

1. (क) सभी दरबारी बीरबल से ईर्ष्या इसलिए करते थे, क्योंकि अकबर बीरबल की हमेशा तारीफ़ करते रहते थे।

(ख) दरबारी ने बीरबल पर हँसते हुए यह कहा– "बीरबल, तुम सिर्फ़ बातों के तीरंदाज़ हो, अगर तीर कमान पकड़कर तीरंदाज़ी करनी पड़ी तो हाथ-पाँव फूल जाएँगे।"

(ग) बीरबल ने अपना पहला निशान चूक जाने पर कहा– "यह थी बादशाह के साले जी की तीरंदाज़ी।"

(घ) बीरबल का तीसरा तीर सही निशाने पर लगा और उन्होंने गर्व से कहा "इसे कहते हैं बीरबल की तीरंदाज़ी।" अकबर बीरबल के जवाब को सुनकर हँस पड़े और समझ गए कि बीरबल ने यहाँ भी बातों की तीरंदाज़ी से सबको हरा दिया।

Page-49-50

2. (क) स (ख) ब
(ग) ब

Page-50

3. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

अगर हम हर काम को बुद्धिमत्ता से और

सूझ-बूझ के साथ करें तो हम हर काम को आसान बना सकते हैं, क्योंकि बुद्धि से किया गया काम कभी व्यर्थ नहीं जाता।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) दुर्लभ (ख) साप्ताहिक
   (ग) पाठशाला (घ) वार्षिक
2. (क) चुप (ख) अतिथि
   (ग) उत्तर (घ) दंग
   (ङ) सवाल (च) क्रोध

Page-51

3. (क) झूल (ख) बजा
   (ग) कार (घ) अज्ञान
   (ङ) नीर (च) टूक
4. (क) सुंदरता (ख) भव्यता
   (ग) गहराई (घ) ऊँचाई

(मन की बात)

सूझ-बूझ से किया हुआ काम कभी भी व्यर्थ नहीं जाता। अगर बुद्धि से काम करेंगे तो असंभव काम को संभव बना सकते हैं। इस तरह का काम करके मन को बहुत तसल्ली मिलती है।

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

8 संतुलित भोजन, स्वस्थ जीवन

(अभ्यास-उत्तर)

Page-56 (मौखिक)

(क) लंदन से निशांत की मौसी आ रही थी।

(ख) निशांत के स्कूल में स्वास्थ्य दिवस मनाया जा रहा था।

(ग) पौष्टिक तत्वों की कमी से हम बीमार पड़ते हैं।

(लेखनी)

1. (क) हम फास्ट-फूड जैसे नूडल्स, पिज्ज़ा, पास्ता और बर्गर में ज़्यादा-से-ज़्यादा हरी सब्ज़ियाँ डालकर फास्ट-फूड को संतुलित बना सकते हैं।
   (ख) दाल, हरी सब्ज़ियाँ, रोटी, दूध, दही, सलाद आदि हमारे शरीर को पौष्टिक तत्व प्रदान करते हैं। इन्हें ही संतुलित भोजन कहा जाता है।
   (ग) व्यायाम करने से हमारे शरीर की हड्डियाँ मज़बूत रहती हैं और हम बीमारियों से दूर रहते हैं, इसीलिए हमारे शरीर के लिए व्यायाम ज़रूरी है।
   (घ) रात को समय पर सोना और सुबह समय पर उठना तथा सुबह 15 मिनट व्यायाम करने से हमारे शरीर में दिनभर ताज़गी बनी रहेगी।

Page-57

2. (क) माँ ने निशांत से
   (ख) नाना जी ने निशांत से

(ग) निशांत ने नानाजी से

(घ) मामाजी ने माँ और बेटे से

(ङ) निशांत ने माना जी से

3. (क) स्वास्थ्य (ख) पौष्टिक

(ग) स्वस्थ, हाथों

(घ) व्यायाम (ङ) पौष्टिक तत्व

(च) नाखूनों

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

स्वास्थ्य को सबसे बड़ा धन कहा गया है। यदि रुपया-पैसा हाथ से निकल जाए तो उसे पुनः प्राप्त किया जा सकता है। परंतु एक बार स्वास्थ्य बिगड़ जाए तो उसे पुरानी स्थिति में लाना बहुत कठिन होता है। इसीलिए समझदार लोग अपने स्वास्थ्य की हिफ़ाज़त करते हैं।

अच्छा स्वास्थ्य जीवन के समस्त सुखों का आधार है। धन से वस्तुएँ खरीदी जा सकती हैं परंतु उनका उपभोग अच्छे स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। अच्छे स्वास्थ्य में एक तरह का सौन्दर्य होता है। जो अच्छे स्वास्थ्य से युक्त है। उसके मन में उत्साह और उमंग होती है। वह अपना कार्य चिंतामुक्त होकर करता है और वह कठिनाइयों से नहीं घबराता है।

Page-58

(भाषा-ज्ञान)

1.

तत्सम	तद्भव
सत्य	सूरज
दुग्ध	ऊँचा
दुर्बल	रात
ओष्ठ	चाँद
अश्रु	सच

2. (क) उद्यान (ख) वृक्ष

(ग) सुमन (घ) सरिता

(ङ) गिरि (च) नेत्र

3.

<u>अच्छी</u>	खुशबू
<u>सारा</u>	सलाद
<u>संतुलित</u>	भोजन
<u>अच्छा</u>	स्वास्थ्य
<u>पौष्टिक</u>	तत्व
<u>हरी</u>	सब्ज़ियाँ

Page-59

4. (क) हमें <u>फास्ट-फूड</u> कम खाना चाहिए।

(ख) हमें हमेशा <u>संतुलित</u> आहार ही ग्रहण करना चाहिए।

(ग) अच्छा खाना खाने से हमारा <u>स्वास्थ्य</u> ठीक रहता है।

(घ) हमें प्रतिदिन 15 मिनट तक <u>व्यायाम</u> करना चाहिए।

5. (क) सोनू उदास <u>हो गया</u>।

(ख) वह डॉक्टर के पास <u>गया</u>।

(ग) सोनू दूध नहीं <u>लाया</u>।

(घ) अब भूत कभी नहीं <u>आएगा</u>।

(मन की बात)

1. अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित आहार खाना सबसे ज़्यादा ज़रूरी होता है। संतुलित आहार में सभी खाद्य समूहों के खाद्य पदार्थ शामिल होते हैं। संतुलित खाना हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है और हमारी हड्डियाँ भी मज़बूत रहती हैं। भोजन संतुलित रहेगा तो जीवन भी संतुलित रहेगा।

Page-59

2. विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

विद्यार्थी स्वयं करें।

9 हम कुछ करके दिखलाएँगे

(अभ्यास-उत्तर)

Page-62 (मौखिक)

(क) कविता में बच्चे अपने अरमान बता रहे हैं।

(ख) बच्चे अपनी मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व लगाना चाहते हैं।

(ग) बच्चे अपने देश का नाम देश के मान-सम्मान की रक्षा करके बढ़ाएँगे।

Page-63

(लेखनी)

1. (क) इस पंक्ति के माध्यम से कवि देश के मान-सम्मान तथा उसकी रक्षा की बात कर रहे हैं। वे एक साधारण व्यक्ति के तौर पर मरना नहीं चाहते, अपितु वे देश के लिए कुछ ऐसा करना चाहते हैं कि उनका नाम अमर हो जाए।

(ख) कविता में कवि ऐसे गरीब भिखारियों को गले लगाने व सुखी बनाने की बात कर रहे हैं जिनको देखकर सभी अपनी नज़रें फेर लेते हैं अर्थात जो दरिद्रतापूर्ण जीवन जी रहे हैं।

(ग) कविता में 'धुन के पक्के' से अभिप्राय है दृढ़ निश्चयी व्यक्ति । जो एक बार कुछ करने की ठान लें तो उसे करके ही दम लेते हैं।

(घ) इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हम सभी देश के मान-सम्मान की तथा अपनी आज़ादी की रक्षा करें। मानव सेवा को जीवन का लक्ष्य बनाने की शिक्षा भी इस कविता से मिलती है।

2. (क) अ (ख) ब
(ग) अ

3. (क) अ (ख) ब
(ग) अ

Page-64

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

मैं अपने जीवन में ऐसे व्यक्तियों की मदद करना चाहती हूँ जो अत्यधिक निर्धन हैं तथा जिनकी मूल आवश्यकताओं की पूर्ति भी पूर्णतः नहीं हो पाती। ऐसा मैं इसलिए करना चाहती हूँ ताकि वे भी अपने जीवन को सरलता से जी सकें।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) भाववाचक (ख) जातिवाचक
(ग) भाववाचक (घ) जातिवाचक
(ङ) जातिवाचक

2. (क) दुर्गंध (ख) अवगुण
(ग) व्यय (घ) निरादर
(ङ) शत्रु

Page-64-65

3. (क) धुन के पक्के - निश्चय पर स्थिर रहने वाले
श्याम अपनी धुन का पक्का था, आखिर वह डॉक्टर बन ही गया।

(ख) चिराग तले अँधेरा - आवश्यक गुण की कमी होना।
ईमानदारी का पाठ पढ़ाने वाले नेताजी का पुत्र ही भ्रष्टाचारी निकला। इसी को कहते हैं–

'चिराग तले अँधेरा'।

(ग) गद्‌गद होना – अत्यधिक प्रसन्न होना
रेखा के वार्षिक परीक्षा परिणाम में प्रथम आने पर उसके माता-पिता गद्‌गद हो गए।

(घ) रंग जमाना – प्रभाव डालना
कुमार विश्वास ने कवि सम्मेलन में अपनी कविताओं से खूब रंग जमाया।

(मन की बात)

1. निर्धन लोगों की स्थिति अन्य वर्गों के मुकाबले अत्यंत बदहाल होती है, जिसका मूल कारण उनके पास पर्याप्त संसाधनों का न होना है। हम उनकी सहायता उनकी छोटी-मोटी आवश्यकताओं जैसे उनके बच्चों को पुस्तकें उपलब्ध कराना आदि के माध्यम से कर सकते हैं। हम अपने पुराने कपड़े देकर भी ऐसे लोगों की मदद कर सकते हैं। निर्धन लोगों को खाने-पीने का सामान भी दिया जा सकता है।

Page-66

2. विद्‌यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

1. विद्‌यार्थी स्वयं करें।
2. (क) मदर टेरेसा – रोमन कैथोलिक नन मदर टेरेसा ने कई वर्षों तक गरीब, बीमार, अनाथ और मरते हुए लोगों की मदद की। मदर टेरेसा ने 'निर्मल हृदय' और 'निर्मला शिशु भवन' नामक आश्रम खोले। 'निर्मल हृदय' का ध्येय असाध्य बीमारी से पीड़ित ऐसे रोगियों व गरीबों की सेवा करना था, जिन्हें समाज से बाहर निकाल दिया गया हो। 'निर्मला शिशु भवन' की स्थापना अनाथ और बेघर बच्चों की सहायता के लिए हुई। उन्होंने जनसेवा का जो व्रत लिया था वे उसका पालन अनवरत रूप से करती रहीं।

(ख) नेल्सन मंडेला – दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत भूतपूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ने रंगभेद का जमकर विरोध किया। इसके लिए उन्हें कई वर्षों तक जेल में बंद रखा गया, किंतु इससे भी उनका उत्साह कम नहीं हुआ। रंग के आधार पर होने वाले भेदभाव को दूर करने के लिए उन्होंने राजनीति में कदम रखा। अंततः राष्ट्रपति बनकर उन्होंने अश्वेत नागरिकों के पक्ष में कई निर्णय लिए जिससे रंग के आधार पर उनके साथ भेदभाव न किया जा सके।

10 प्रेरक व्यक्तित्व

(अभ्यास-उत्तर)

Page-71 (मौखिक)

(क) स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की थी।

(ख) सुभाष चंद्र बोस में वीरता, साहस और देशभक्ति के गुणों के साथ ही सेवा-भाव भी कूट-कूटकर भरा था।

(ग) लाल बहादुर शास्त्री उत्तर प्रदेश के गृहमंत्री थे।

(लेखनी)

1. (क) विष दिए जाने पर स्वामी दयानंद सरस्वती ने 'कोई क्रिया' करके उसे तुरंत शरीर से बाहर निकाल दिया।

(ख) तहसीलदार की कार्यवाही पर स्वामी जी ने उससे कहा कि मैं संसार को बंदी बनाने का नहीं, बल्कि स्वतंत्र होने का मार्ग दिखाना चाहता हूँ। अगर दुष्ट अपनी दुष्टता नहीं छोड़ता, तो भला हम अपनी श्रेष्ठता क्यों छोड़ें।

(ग) हैदर के परिवार के भी कई सदस्य हैज़े की चपेट में आ गए। कोई भी उनकी सहायता के लिए आगे नहीं आया। उस समय सुभाष जी तथा उनके साथियों ने हैदर की आलोचना को ध्यान में न रखकर, उनके परिवार की खूब सेवा की। उन सभी ने हैदर के घर और आसपास की सफ़ाई भी की। हैदर को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने सुभाष जी से माफी माँगी। सुभाष जी के सेवा भाव ने हैदर का हृदय परिवर्तित कर दिया।

(घ) क्रिकेट मैच के दौरान शास्त्री जी इसलिए असमंजस में पड़ गए थे क्योंकि विद्यार्थियों ने यह माँग कर दी थी कि यदि लाल पगड़ी अर्थात पुलिस वाले मैदान में रहेंगे तो वे मैच नहीं होने देंगे। किंतु शास्त्री जी यह सोचते थे कि पुलिस का रहना आवश्यक है, अन्यथा झगड़े-फसाद को कौन रोकेगा।

Page-72

2. (क) स (ख) ब

3. (क) मूर्ति-पूजा, पाखंड

(ख) विष (ग) हैज़ा

(घ) पुलिस

4. (क) मूर्तियाँ बनाने वाले स्वामी जी से क्रुद्ध थे।

(ख) स्वामी जी ने कोई क्रिया करके शरीर से विष निकाल दिया।

(ग) तहसीलदार ने पाखंडी पंडित को बंदी बना लिया।

(घ) सबकुछ जानते हुए भी स्वामी जी ने अपराधी से कुछ नहीं कहा।

(ङ) स्वामी जी के कहने पर तहसीलदार ने पाखंडी पंडित को छोड़ दिया।

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-73

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) स्थानवाचक

(ख) रीतिवाचक

(ग) कालवाचक

(घ) परिमाणवाचक

2. दुश्टता, सवच्छ, कुदध, पाखडी

Page-74

(मन की बात)

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

1. स्वामी विवेकानंद
2. अटल बिहारी वाजपेयी
3. महात्मा गांधी
4. जवाहरलाल नेहरू
5. लोकमान्य तिलक
6. डॉ॰ भीमराव अंबेडकर

11 दुर्गा पूजा उत्सव

(अभ्यास-उत्तर)

Page-77 (मौखिक)

(क) दुर्गापूजा की विशेष धूम पश्चिम बंगाल में होती है।

(ख) दुर्गा पूजन का आयोजन चैत्र (अप्रैल-मई) और अश्विन (सितंबर-अक्तूबर) के महीने में होता है।

(ग) दुर्गा पूजा नौ दिन तक मनाई जाती है।

(लेखनी)

1. (क) दुर्गा पूजा के दिन लोग मूर्ति को कुमकुम, नारियल, सिंदूर आदि से सजाते हैं।

(ख) देवी दुर्गा ने राक्षस महिषासुर को मारकर विजय प्राप्त की थी, क्योंकि उन्हें ब्रह्मा, भगवान विष्णु और शिव के द्वारा इस राक्षस को मारकर और दुनिया को इससे आज़ाद कराने के लिए बुलाया गया था।

(ग) विसर्जन समारोह में लोग पवित्र जल में देवी की मूर्ति का विसर्जन करते हैं। लोग माता से फिर अगले साल बहुत से आशीर्वादों के साथ आने की प्रार्थना करते हैं।

(घ) दुर्गा पूजा का उत्सव बुराई के ऊपर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है।

Page-78

2. (क) ब (ख) स

(ग) अ

3. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

मानव जीवन अनेक विविधताओं से भरा हुआ है। अपने जीवनकाल में मनुष्य को अनेक प्रकार के कर्तव्यों व दायित्वों का निर्वाह करना पड़ता है। इन परिस्थितियों में त्योहार उसके जीवन में सुखद परिवर्तन लाते हैं तथा उसमें हर्षोल्लास व नवीनता का संचार करते हैं। त्योहार अथवा पर्व सामाजिक मान्यताओं, परंपराओं व पूर्व संस्कारों पर आधारित होते हैं।

प्रत्येक त्योहार में अपनी विधि व परंपरा के साथ समाज, देश व राष्ट्र के लिए कोई न कोई विशेष संदेश निहित होता है। भारत में विजयदशमी का पर्व भी असत्य पर सत्य की तथा अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश देता है।

Page-79

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) दुर्गा पूजा भारत का एक धार्मिक त्योहार है।

(ख) दुर्गा पूजा का उत्सव पश्चिम बंगाल में बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है।

(ग) दुर्गा पूजा में विदेशी पर्यटक भी सम्मिलित होते हैं।

(घ) दुर्गा पूजा को लोग बड़ी पवित्रता के साथ मनाते हैं।

2. (क) आकाश, वस्त्र

(ख) हाथ, टैक्स

(ग) पानी, जलना

(घ) नौ, नया

3. क. (अप) ख. (पअ)
   ग. (प) घ. (पप)
   ड. (पपप) च. (अ)

4. (क) हम विद्यालय जाएँगे।
   - जाएँगे।
   (ख) मैं खाना खा रहा हूँ।
   - खा रहा हूँ।
   (ग) मैं गाना गा रही हूँ।
   - गा रही हूँ।
   (घ) हम पुस्तक पढ़ रहे हैं।
   - पढ़ रहे हैं।
   (ङ) दादा जी बाग में टहल रहे हैं।
   - टहल रहे हैं।

Page-80

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-81

(हँसते-गाते)

क. होली

1. होली हिंदुओं का पवित्र त्योहार है।
2. होली फाल्गुन के महीने (मार्च) में मनाई जाती है।
3. होली के दिन लोग एक-दूसरे को रंग लगाते हैं और खुशियाँ मनाते हैं।
4. होली के दिन लोग अपने-अपने घर में तरह-तरह के पकवान बनाते हैं।
5. होली प्रेम और भाईचारे के त्योहार का प्रतीक है।

ख. ओणम

1. ओणम दक्षिण भारत के राज्य केरल में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।
2. ओणम केरल का प्रमुख त्योहार है।
3. ओणम महोत्सव मलयालम कैलेंडर के पहले महीने की शुरुआत में मनाया जाता है।
4. ओणम कार्निवल दस दिनों तक चलता रहता है।
5. ओणम राजा महाबली के स्वागत में मनाया जाता है।

ग. दीपावली

1. दीपावली भारत में हिंदुओं द्वारा मनाया जाने वाला सबसे बड़ा त्योहार है।
2. दीपों का खास पर्व होने के कारण इसे दीपावली या दीवाली नाम दिया गया।
3. हिंदू मान्यताओं के अनुसार कार्तिक अमावस्या को भगवान श्री रामचंद्रजी चौदह वर्ष का वनवास काटकर तथा आसुरी वृत्तियों के प्रतीक रावणादि का संहार करके अयोध्या लौटे थे।
4. दीपावली का त्योहार पाँच दिनों तक चलने वाला पर्व है।
5. दीपावली हिंदुओं का धार्मिक त्योहार है।

घ. क्रिसमस

1. क्रिसमस ईसाइयों द्वारा मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है।
2. यह हर साल 25 दिसंबर के दिन मनाया जाता है।
3. ईसाई धर्म के लोगों के लिए ये एक बड़े महत्व का दिन है।
4. इस उत्सव को लोग बहुत उत्साह और ढेर सारी तैयारियों तथा सजावट के साथ मनाते हैं।
5. यह त्योहार ईसा मसीह के जन्म की खुशी में मनाया जाता है।

12 मन का वहम

(अभ्यास-उत्तर)

Page-84 (मौखिक)

(क) सोनू पढ़ने में होशियार था।
(ख) सोनू भूत राजा की कहानी पढ़कर परेशान था।
(ग) सोनू के माता-पिता उसे डॉक्टर के पास लेकर गए।

Page-85

(लेखनी)

1. (क) भूत की कहानी पढ़ने के बाद सोनू को हर जगह भूत दिखाई देने का भ्रम होने लगा था।
(ख) साधु ने सोनू से ही दूध इसलिए मँगवाया क्योंकि सोनू को भूत की बीमारी लग गई थी।
(ग) सोनू ने बताया - साधु जी! मैं घर से तो दूध लाया था, पर रास्ते में भूत ने मुझसे दूध छीन लिया और वह उसे पी गया।
(घ) साधु ने कहा कि कल जब तुम दूध लाओ, तब अपनी दोनों हथेलियों को तवे से अच्छी तरह काला कर लेना और रास्ते में भूत मिले तो अपने दोनों हाथों को उसके मुँह पर अच्छी तरह मल देना, फिर भूत नहीं आएगा। फिर साधु ने सोनू से अपना चेहरा शीशे में देखने को कहा। सोनू ने कहा अरे, यह तो मेरा ही चेहरा है फिर सोनू को पता चल गया कि भूत कुछ नहीं, यह बस मेरा भ्रम है।

2. (क) नहीं (ख) नहीं
(ग) हाँ (घ) हाँ

Page-85-86

3. (क) किताब (ख) परेशान
(ग) जाँच (घ) भूत
(ङ) सोनू

Page-86

4. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓
(घ) ✓ (ङ) ✓

5. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(भाषा-ज्ञान)

1. (ख) लिख + ना - लिखना
(ग) कर + ना - करना
(घ) जा + ना - जाना
(ङ) खा + ना - खाना

2.

एकवचन	**बहुवचन**
भूत	भूत
कहानी	कहानियाँ
डॉक्टर	डॉक्टर
पुस्तक	पुस्तकें
साधु	साधु
बालक	बालक

3. (क) सोनू बहुत प्रसन्न हो गया।
(ख) पिता दुखी हो गए।

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

Page-88

(हँसते-गाते)

- सोनू पढ़ाई-लिखाई में बहुत होशियार था। एक दिन सोनू के पिताजी सोनू के लिए एक किताब लाए जिसमें भूतों की बहुत

सारी कहानियाँ थीं। जिसे पढ़कर सोनू परेशान रहने लगा। सोनू के माता-पिता भी सोनू के लिए चिंतित रहने लगे थे। सबसे पहले डॉक्टर से सोनू का इलाज करवाया गया, लेकिन डॉक्टर ने कहा सोनू में तो बीमारी के कोई लक्षण नहीं है। फिर सोनू का इलाज साधु द्वारा करवाया गया। साधु ने सोनू से दूध मँगवाने व अपने हाथ की हथेलियों को काले तवे पर मलने के लिए कहा, सोनू ने अपने हाथों को भूत के चेहरे पर अच्छी तरह मल दिया। फिर साधु ने सोनू को अपना चेहरा शीशे में देखने को कहा, फिर सोनू ने कहा यह तो मेरा ही चेहरा है, तभी साधु ने कहा- मैंने कहा था भूत-वूत कुछ नहीं होता, यह सब हमारे मन का भ्रम होता है।

13 आओ, नया समाज बनाएँ

(अभ्यास-उत्तर)

Page-91 (मौखिक)

(क) प्रस्तुत कविता नया समाज बनाने पर आधारित है।

(ख) कवि सभी लोगों को समान अधिकार दिलाना चाहते हैं।

(ग) कवि धरती को स्वर्ग बनाने की बात कर रहे हैं।

Page-92

(लेखनी)

1. (क) जाति-पाँति के बंधनों को तोड़ने की आवश्यकता है।

(ख) कवि मिट्टी के कण-कण को बार-बार प्रणाम करना चाहता है क्योंकि उसे इस मिट्टी का कण-कण चंदन प्रतीत होता है।

(ग) श्रम के बारे में कवि का यह कहना है कि हम सभी आपस में मिल-जुलकर काम करके श्रम को अपने जीवन का मंत्र बना सकते हैं और सबके दिल से ऊँच-नीच का भेद मिटा सकते हैं।

(घ) यह धरती हम सभी की इसलिए है क्योंकि हम सबने इसी धरती पर जन्म लिया है और हम सब भारतमाता के सपूत कहलाते हैं। इसलिए कहा गया है कि यह ध रती भी हम सभी की है और गगन भी हम सभी का है।

2. (क) प्रस्तुत कविता में बताया गया है कि हमें जाति-पाँति के सभी बंधन तोड़कर अपनेपन की कड़ियों को जोड़ना चाहिए। एक कड़ी में रहकर हम धरती के हर मानव का मानवता से नाता जोड़ सकते हैं, जिससे कि हम सब में एकता और प्रेम की भावना उत्पन्न हो सकती है।

(ख) कवि मिट्टी के कण-कण को चंदन मानकर प्रणाम करना चाहता है, क्योंकि कवि को यकीन है कि अगर हम मिलकर काम करें तो हर काम को आसान बना सकते हैं और किरणों की नई रोशनी बनकर घर-आँगन को सजा सकते हैं।

Page-93

3. (क) इस कविता में ऐसे समाज के निर्माण की बात कही गई है

जिसमें सभी को समानाधिकार प्राप्त हों। इस कविता के माध्यम से कवि ने एकता एवं अखंडता का संदेश दिया गया है।

(ख) हम अखंड समाज के निर्माण के लिए निम्नलिखित कार्य कर सकते हैं–

ख हम सभी को मिल-जुलकर काम करने के लिए कहेंगे।

ख सभी लोगों में आत्मविश्वास जगाएँगे।

ख उन्हें समान अधिकार दिलाएँगे।

ख हम सब एकजुट होकर काम करेंगे।

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) नरक (ख) दुख

(ग) दानव (घ) कपूत

(ङ) पुराना (च) पीछे

2. (ख) तोड़ें (ग) वंदन

(घ) घड़ियाँ

Page-94

3. दिए गए सभी शब्दों में योजक का प्रयोग हुआ है। योजक का प्रयोग द्वित्व शब्दों में होता है जैसे 'शत-शत', 'कण-कण'। योजक का प्रयोग तत्पुरुष समास में भी होता है, जैसे– 'जीवन-मंत्र, नया-समाज, प्रेम-संदेश'।

4. (क) म् + आ + न् + अ + व् + अ + त् + आ

(ख) ध् + अ + र् + अ + त् + ई

(ग) स् + अ + म् + आ + ज् + अ

(घ) म् + आ + न् + अ + व् + अ

(मन की बात)

विद्यार्थी स्वयं करें।

(हँसते-गाते)

हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई,
हर धर्म के लोग अनेक
मानवता ही धर्म हमारा
जिससे बने हुए हैं हम सब एक
काले गोरे में भेद नहीं
हम सब में मतभेद नहीं
बना हुआ है हम सब में भाईचारा
जग में सुंदर देश हमारा।

14 मॉनीटर

(अभ्यास-उत्तर)

Page-99 (मौखिक)

(क) काजल चौथी कक्षा में पढ़ती थी।

(ख) काजल के अनुसार अमृता मोटी, बदसूरत तथा निरी मूर्ख लड़की थी।

(ग) काजल को सबक सिखाने के लिए आरवी ने अमृता के पास बैठना शुरू किया।

Page-99-100 (लेखनी)

1. (क) काजल का स्वभाव घमंडी था।

(ख) काजल के अनुसार अमृता पढ़ाई में कमज़ोर, दिखने में मोटी तथा बदसूरत थी इसीलिए उसने अमृता का मज़ाक उड़ाया।

(ग) आरवी स्वयं बुद्धू रहकर अमृता को कुछ भी नहीं सिखा सकती थी इसलिए उसने पहले अपनी पढ़ाई पर ध्यान दिया।

(घ) आरवी और सुरभि द्वारा काजल को अमृता की सहेली बताए जाने तथा दूसरी सभी लड़कियों द्वारा आरवी और सुरभि को बधाई देने और उन सभी के द्वारा तीनों को घिरते हुए देख काजल को अपनी गलती का अहसास हो गया। इसमें उसका साथ सुरभि तथा सभी लड़कियों ने दिया।

Page-100

2. (क) ब (ख) स
   (ग) स
3. (क) चौथी, मॉनीटर
   (ख) कुरसी (ग) दरवाज़े
   (घ) विषयों

Page-101

4. विद्यार्थी स्वयं करें।

(जीवन-मूल्य)

प्रस्तुत कहानी का संदेश यह है कि हमें सभी के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। अपने-आप पर घमंड नहीं करना चाहिए।

(भाषा-ज्ञान)

1. (क) पंकज, सरोज (ख) मेघ, नीरद
   (ग) तिमिर, तम (घ) नृप, भूप
   (ङ) रिपु, अरि (च) रजनी, निशा
   (छ) पानी, वारि (ज) खग, विहग
2. (क) (अ) (ख) (पपप)
   (ग) (प) (घ) (पप)
   (ङ) (पअ)
3.

	मूल शब्द		प्रत्यय
(क)	निराशा	+	जनक
(ख)	खंड	+	इत
(ग)	मानस	+	इक
(घ)	निः	+	चित
(ङ)	विरोध	+	ई
(च)	सफल	+	ता
(छ)	एकाग्र	+	ता

Page-102

(मन की बात)

1. ऐसे विद्यार्थियों को घमंड नहीं करना चाहिए जो हमेशा प्रथम आते हैं तथा अन्य विद्याओं में भी पारंगत होते हैं। ऐसे विद्यार्थी कक्षा के कमज़ोर विद्यार्थियों की मदद उनकी पढ़ाई के मध्य आने वाली बाधा को हल करने में कर सकते हैं। वे दूसरों के साथ सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार कर सकते हैं। पढ़ाई में कमज़ोर विद्यार्थियों की मदद करके ऐसे विद्यार्थी स्वयं ही अपने किए गए पाठ की पुनरावृत्ति भी कर सकते हैं।
2. अगर कोई पढ़ने में कमजोर है, तो सर्वप्रथम उस विषय को लेकर उसकी मदद करेंगे, जिसमें उसके नंबर कम आने हों। हम उसका कारण जानने की कोशिश करेंगे तथा उससे पूछेंगे कि विषय समझ में आता है या नहीं। उसका जवाब सुनने के बाद खाली समय में उसकी पढ़ाई में सहायता करेंगे। मैं पढ़ाई में अपने मित्रों की सहायता करती हूँ। मेरी जिन भी विषयों में अच्छी पकड़ है, उनसे संबंधित प्रश्नों को हल करने में मैं मित्रों की मदद करती हूँ। प्रश्नों को हल करते समय वे जहाँ भी अटक जाते हैं, वहाँ मैं उनकी समस्याओं को दूर करती हूँ तथा उन्हें भली-भाँति समझाती हूँ।

(हँसते-गाते)

1. विद्यार्थी स्वयं करें।
2. विद्यार्थी स्वयं करें।